॥ॐ ह्रीं श्रीं अर्हं नमः॥॥ॐ नमः सिद्धम्॥*

॥नमो नमो गुरु श्री धर्म - सुरेन्द्र - राम - जगच्चन्द्र सूरये॥

★ वर्ण विचार तथा पाठ:1 से लेकर पाठ:15 तक का प्रश्नपत्र

प्र.-1 नीचे दीये गये प्रश्नो का उत्तर दें। कोई भी एक सही उत्तर दें।
(10×1=10)

1. अनुनासिक वर्ण (अक्षर) कितने है।
(1) 5 (2) 8 (3) 3 (4) 22

2. कितने धातु की वृद्धि या गुण नही होते है।
(1) 5 (2) 7 (3) 6 (4) 10

3. कितने वर्ण नामी संज्ञामें आते है।
(1) 51 (2) 4 (3) 12 (4) 8

4. कौन से गण में उपान्त्य में ह्रस्व नामी स्वर होते हुए भी गुण नही होता है।
(1) 1 (2) पित् (3) 4 (4) 10

5. कौन से वर्ण की वृद्धि औ होती है।
(1) ऋ वर्ण (2) इ वर्ण (3) उ वर्ण (4) लृ वर्ण

6. अ विकरण प्रत्यय लगने पर भी कौन से गण में गुण नही होता है।
(1) 1=गण (2) 4=गण (3) 6=गण (4) 10=गण

7. कौन से स्वर का अव् होता है।
(1) ओ (2) इ (3) उ (4) औ

8. ज्+ञ इस अक्षरो के संयोग से कौन सा जोडाक्षर बनता है।
(1) त्र (2) ज्ञ (3) क्ष (4) ञ्ज

9. कौन से गण के धातु को 1 गण का ही विकरण प्रत्यय लगता है।
(1) 10 (2) 2 (3) 4 (4) 6

10. खुद का प्रत्यय लगने के बाद कौन से गण में धातु के उपान्त्य ह्रस्व नामि गुण होता है।
(1.) गण:1 (2) गण=2 (3) गण=10 (4) गण=6.

(प्र.-2) नीचे दीए गये प्रश्नों के उत्तर एक से दो लाईन में लिखें। कोई भी दस (10) लिखें। (10×2=20)

1. गुण और वृद्धि कहाँ/कैसे/ कीस की और कौनसे गण में होती है वह समझाइए।
2. अवर्ण का कौन से वर्णो के साथ मिलकर क्या-क्या बनता है वह पूर्ण रूप से विस्तार से समझाइए।
3. स्व अनुनासिक कब होता है और कैसे होता है वह उदाहरण से समझाइए।
4. अ का लोप कब होता है और कब नहीं होता।
5. पा धातु का कौन सा आदेश होता है और गुण क्यो नहीं होता।
6. अस् धातु का अर्थ/गण/पद एवं पूरे रूप लीखें।
7. शब्द कैसे बनता है और शब्द के प्रकार कीतने है।
8. भि आदि प्रत्यय को क्या कहा जाता है।
9. आत्मनेपदी के प्रत्यय लिखे।
10. पद संज्ञा क्यो करते है।
11. विकरण प्रत्यय किसको कहते है।

(प्र.-3) खाली जगह पूरे। कोई भी 10 लिखें। (10×1=10)

1. _____ चलने वाली क्रिया को _____ काल कहते है।
2. धातु के _____ प्रकार है।
3. _____ प्रत्ययो जिसको लगे हो उसे _____ कहते है।
4. अ विकरण प्रत्यय लगने पर भी _____ गण के धातु का गुण नही होता है।
5. _____ में अ या ए आए तो _____ नहीं होता है।
6. _____ र् के बाद _____ अथवा _____ व्यंजन हो तो उस र् का _____ हो जाता है।

7. ________ संज्ञा में अवर्ण को लिया गया नहीं है।

8. शब्द के ________ प्रकार है।

9. ________ अन्तस्था का उच्चार मूर्धन्य है।

10. ________ गण के धातु को खुद का प्रत्यय लगने पर पहेले गण का ________ प्रत्यय लगता है।

(प्र.-4) नीचे दीए गए धातुओ के अड्रेस, अर्थ एवं रूप लिखे। कोई भी दस। (10×2=20)

1. वृध् / 2. दा / 3. मद् / 4. पृ / 5. स्था / 6. श्रम् / 7. सृज्
8. क्षुभ् / 9. तॄ / 10. तुल् / 11. शम् / 12. स्पृह्

(प्र. 5) नीचे दीये गए संस्कृत वाक्यो के अर्थ लिखे। पूरा अड्रेस भी दे। सही सर्वनाम लिखे और संधि करे पदान्त म् वाली। कोई भी बीस लिखें। (20×1=20)

1. अहम् गच्छति।
2. त्वम् सान्त्वयामि।
3. स पीडयथः।
4. युवाम् कथयन्ति।
5. यूयम् प्रेमावः।
6. वयम् क्षयामि।
7. तौ श्राम्यावः।
8. ते नृत्यतः।
9. अहम् स्फुटामः।
10. यूयम् चरामि।
11. स अर्चामः।
12. त्वम् मुह्यथ।
13. आवाम् घोषयथः।
14. युवाम् क्षयतः।
15. तौ तिष्ठन्ति।
16. स यच्छामः।
17. अहम् पिबावः।
18. ते अस्ति।
19. अहम् स्तः।
20. यूयम् पारयामि।
21. त्वम् पालयतः।
22. स जीवसि।
23. युवाम् क्षुभ्यति।
24. स चोरयावः।
25. तौ वर्णयामि।

(प्र.-6) नीचे दीये गये हीन्दी (गुजराती) वाक्यो के संस्कृत करो। एवं सन्धि करे। कोई 10 लिखे। (10×1=10)

1. मैं आचरण करता हूँ। 1. हुं આચરણ કરું છું.
2. वह महेर करता है। 2. તે મહેર કરે છે.
3. हम दो बढ़ते है। 3. અમે બે વધીએ છીએ.
4. तुम दो पकाते हो। 4 તમે બે રાંધો છો.
5. तुम सब वन्दन करते हो। 5. તમે વંદન કરો છો.
6. तुं ले लेता है। 6. તું લઇ લે છે.
7. वह दो भूल करते है। 7. તે બે ભૂલ કરે છે.
8. हम सब देखते है। 8. અમે બધા જોઇએ છીએ.
9. हम दो चाहते है। 9. અમે બે ઇચ્છીએ છીએ.
10. तुम दो आलोटन करते हो। 10. તમે બે લોટો છો.
11. हम सब खीलते है। 11. અમે બધા ખીલીએ છીએ.
12. हम दोनों है। 12. અમે બે છીએ.
13. वे दोनों है। 13. તે બે છે.
14. मैं दौड़ता हूँ। 14. હું દોડું છું.
15. हम सब मोहित होते है। 15. અમે બધા મુંઝાઇએ છીએ.

(प्र.-7) नीचे दीये गये रूप में से कोई भी तीन रूप की साधनिका लिखो। (3×3=9)

1. वृध् मध्यमपुरूष द्विवचन
2. तुल् उत्तम ,, ,,
3. वन्द् अन्य ,, बहुवचन
4. पच् मध्यम ,, द्विवचन (आत्मनेपद में)
5. हृ अन्य ,, द्विवचन ,, ,, ,,

॥ इति शुभम भवतु ॥